अहर्म्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2012) | दिनांक 24.12.2012

द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

नवपदार्थ : जीव–अजीव – 40

प्र.1 किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए – 10

(क) भाव किसे कहते हैं? (ख) रंगण से क्या तात्पर्य है?

(ग) आहारक शरीर को समझाइये? (घ) जीव द्रव्य शाश्वत या अशाश्वत?

(ङ) जीव को आश्रव किस दृष्टि से कहा है? (च) समकित का अर्थ क्या है?

(छ) धर्मास्तिकाय का द्रव्य, क्षेत्र काल और भाव लिखें?

(ज) स्वामीजी ने जीव को वेद क्यों कहा?

प्र.2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें – 12

(क) जीव शशरीरी किस अपेक्षा से है?

(ख) भाव के प्रकार बताते हुए पारिणामिक भाव का वर्णन करें।

(ग) पुद्गल की गतिशीलता को सिद्ध करें?

(घ) सिद्ध कीजिए काल निरन्तर उत्पन्न होता है?

प्र.3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें – 18

(क) द्रव्य जीव के स्वरूप का विस्तार से वर्णन करें।

(ख) सिद्ध कीजिए कि आत्मा एक स्वतंत्र द्रव्य है?

(ग) पुद्गल की शाश्वतता और अशाश्वतता को सिद्ध करें।

(घ) काल के भेदों का वर्णन करें।

अवबोध – जीव से संवर – 30

प्र.4 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक लाईन में लिखें – 8

(क) तत्त्व कितने व कौन–कौन से हैं? (ख) क्या जीव और आत्मा एक हैं?

(ग) ओज आहार किसे कहते हैं? (घ) षट्द्रव्य एक कितने और अनेक कितने?

(ङ) पुण्य तत्त्व की परिभाषा क्या है?

(च) परपरिवाद किसे कहते हैं?

(छ) आभिनिवेशिक मिथ्यात्व से क्या समझते हैं?

(ज) प्रमाद आश्रव कौन से गुणस्थान तक है?

(झ) सम्यक्त्व संवर कौन से गुणस्थान से प्रारम्भ होता है?

(ञ) क्या संवर चारों गतियों में होता है?

प्र.5 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें – 12

(क) क्या सभी सम्यक्त्वी मनुष्यों के संवर होता है?

(ख) आश्रव आत्म परिणाम को कहते हैं या आकर्षित होने वाली कर्म वर्गणा को?

(ग) क्या पाप का स्वतंत्र बन्ध माना जा सकता है?

(घ) एकेन्द्रिय में जीवन है इस संदर्भ में विज्ञान कहाँ तक पहुँचा है?

(ङ) पर्याप्ति की क्या उपयोगिता है?

प्र.6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें – 10

(क) पुण्य और पाप की कर्म वर्गणा अलग–अलग है या एक ही है?

(ख) क्या आगम प्रमाणों से यह सिद्ध होता है कि आश्रव जीव है?

(ग) प्राणातिपात विरमण संवर आदि पन्द्रह भेद किसके अन्तर्गत आते हैं?

(घ) संहनन और संस्थान पुद्गल के होते हैं या जीव के समझाइये?

अमृत कलश, भाग–3 (छठा, सातवां चषक–तप को छोड़कर) – 30

प्र.7 किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें – 5

(क) तीर्थंकर शब्द का क्या अर्थ है?

(ख) सिद्धों का निवास स्थान कहाँ है?

(ग) णमो आयरियाणं का ध्यान किस रंग के साथ किस केन्द्र पर किया जाता है?

(घ) प्रतिक्रमण के कितने प्रकार हैं?

(ङ) अधिगम सम्यक्त्व से क्या तात्पर्य है? (च) लोक कितना बड़ा है?

(छ) कर्म भूमि मनुष्य कितने प्रकार के हैं?

प्र.8 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दो या तीन लाईन में दें – 10

(क) करण और योग से क्या तात्पर्य है?

(ख) आचार्य की कसौटियों में श्रद्धाशील का उल्लेख करें?

(ग) आठ गणी सम्पदाएँ कौनसी हैं?

(घ) क्या केवलज्ञान प्राप्त करने वाले सभी तीर्थंकर कहलाते हैं?

(ड.) नमस्कार मंत्र के प्रत्येक पद के पहले ऊँ ह्रीं श्रीं भी लगाया जाता है। उसका क्या तात्पर्य है?

(च) अरहंत कौन होते हैं?

(छ) प्रतिक्रमण का समय कौन सा है?

प्र.9 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें – 15

(क) रंगों का चुनाव किस आधार पर किया गया है? क्या रंगों का शारीरिक स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ता है?

(ख) सामायिक में मन के दस दोषों की व्याख्या करें?

(ग) श्रावक कौन होता है?

(घ) अव्यवहार राशि से क्या तात्पर्य है?